बोस्फोरस स्ट्रेट का बदला रंग

संदर्भ

हाल ही में बोस्फोरेस स्ट्रेट के रंग का अचानक नीले रंग से चमकदार फ़िरोज़ी रंग में परिवर्तित हो जाने की घटना ने लोगों के साथ-साथ पर्यावरणविदों को भी आश्चर्य में डाल दिया है। उल्लेखनीय है कि बोस्फोरस स्ट्रेट यूरोप और एशिया महाद्वीपों को विभाजित करती है।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- वैज्ञानिकों ने इसका कारण काला सागर के पास प्लवक की एक प्रजाति के बढ़ने को माना है। जबकि किसी ने भूकंप तो किसी ने प्रदूषण को इसका कारण बताया।
- वैज्ञानिकों ने इसका कारण सूक्ष्म जीव एमिलियानिया हक्स्लेय (Emiliania huxleyi) की संख्या में वृद्धि बताया, जिसे एहस (Ehux) भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि इसका प्रदूषण से कोई लेना-देना नहीं है। एन्कावसि (Anchovies) को पादप प्लवक और छोटी मछलीयाँ भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं। अत: इसकी संख्या में वृद्धि एक अच्छी बात है।
- वैज्ञानिकों ने काला सागर के पास एमिलिया हक्सलेय की इस विस्फोट संख्या को काला सागर के लिये एक वरदान माना।
- इस बदले रंग को नासा के टेरा सैटेलाइट द्वारा भी कैप्चर किया गया था।
- नासा ने भी इस रंग परिवर्तन का कारण कोकोलिथोफोर (coccolithophore) नामक फाइटप्लेन्कटन की संख्या में वृद्धि को माना। एमिलानिया हक्स्लेय भी कोकोलिथोफोर की एक प्रजाति है।

बोस्फोरेस स्ट्रेट

- पश्चिमी तुर्की में अवस्थित यह एक अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग है।
- यह एक संकीर्ण एवं प्राकृतिक जलसंधि है।
- यह काला सागर को मरमारा सागर से जोड़ता है।
- यह अंतर्राष्ट्रीय नैवगिशन के लिये उपयोग की जाने वाली विश्व की सबसे छोटी जलसन्धि है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/change-in-color-of-bsphorus-strait